THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) As on 31.3.1993 there were six Central PSEs having their registered office in the State of Orissa, out of which only one PSE namely, Orissa Drugs and Chemicals Ltd. is sick.

(b) Reasons for sickness are old and obsolete plants and machinery, outdated technology, surplus manpower, heavy interest burden, etc.

(c) Board for Industrial and Financial Reconstruction have appointed an Operating Agency for formulation of revival/rehabilitation package of Orissa Drugs and Chemicals Ltd. On the direction of BIFR, the Operating Agency has already finalised a revival/rehabilitation scheme which is to be approved by the BIFR.

Assistance from NRF to Central Government undertakings

1434. SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHAI PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to grant National Renewal Fund assistance for the year 1991—95 to the Central Government undertakings; and

(b) if not, how much assistance would be sanctioned to Government of Gujarat in the current financial year with reference to their proposals for assistance from NRF?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) Assistance from the National Renewal Fund has been made available to Central Public Sector Undertakings from the year 1992-93 onwards.

(b) Assistance from the National Renewal Fund to cases involving workers compensation payments in case of rehabilitation/closure and Voluntary Retirement Scheme in State Public Undertakings would be taken up after operational modalities for grant of assistance from the National Renewal Fund are finalised.

लघु उद्योगों को ऋण दिया जाना

1435. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लघु उद्योग क्षेत्र में स्थापित की गई 82 प्रतिशत इकाइयों में एक लाख रुपये अथवा इससे कम पूंजी का निवेश किया हुआ है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन इकाइयों से लघु उद्योग क्षेत्र के कुल उत्पादन का 60 प्रतिशत उत्पादन हो रहा है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि बैंकों द्वारा इन इकाइयों को दिया गया ऋण उनकी आवश्यकताओं से कम है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार इन छोटी इकाइयों के विस्तार और विकास के लिए अतिरिक्त वित्तीय स्रोतों की व्यवस्था करने का विचार रखती है ; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) से (ग) विकास आयुक्त, लघु उद्योग के कार्यालय ने राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्र के उद्योग निदेशालयों में पंजीकृत सभी लघु सीडो उद्योगों की अखिल भारतीय गणना की थी। गणना के परिणामों से पता चला

कि 1987–88 के दौरान 70 प्रतिशत लघु औद्योगिक एककों का स्थाई निवेश (किताब मुल्य) 1.00 लाख रुपये तक का था। इन एककों में उत्पादन 17 प्रतिशत था।

(घ) जी, हां। नायक समिति जिसने लघु क्षेत्र की ऋण आवश्यकताओं की जांच की थी, के अनुसार, लघु औद्योगिक क्षेत्र ने बैंकिंग सिस्टम से कार्यशील पूंजी के रूप में अपने उत्पादन का केवल 8.1 प्रतिशत भाग प्राप्त किया (जबकि इसकी सासमान्य आवश्यकता 20% थी)।

(ङ) और (च) नायक समिति की सिफारिशों के आधार पर, भारतीय रिजर्व बैंक ने लघु क्षेत्र को पर्याप्त तथा समय पर ऋण देना सुनिश्चित करने के लिए बैंकों को 1993 में विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किये हैं। जिनमें से मुख्य दिशा निर्देश, अन्य बातों के साथ-साथ इस प्रकार हैं :–

(1) अब से, बैंकिंग सिस्टम से एक करोड़ रुपये तक कार्यशील पूंजी ऋण सीमाओं के आधार पर कुल निधि वाले ग्रामीण, अति लघु उद्योग तथा अन्य लघु औद्योगिक इकाइयों को उनकी नयी तथा मौजूदा इकाइयों के पूर्वानुमानित वार्षिक कारोबार के कम से कम 20% कार्यशील पूंजी सीमा की संगणना के आधार पर की जानी चाहिए।

(2) लघु औद्योगिक क्षेत्र के ऋण-ग्राहियों से प्राप्त ऋण आवेदनों के निपटान हेतु निर्धारित कार्य पद्धति और समय सीमा को कड़ाई से लागू या जाना चाहिए।

(3) लघु इकाइयों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिडबी की एकल खिड़की योजना को अपनाना चाहिए।

(4) वाणिज्यिक बैंकों को, जहां लघु औद्योगिक इकाइयां बहतायत में हों, उन क्षेत्रों में बैंक की विशेष शाखाएं खोलनी चाहिएं।

Industries manufacturing Paraffin wax and TD loaded poster paper

1436. SHRI SATISH PRADHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of industries manufacturing Paraffin Wax and TD loaded poster papers in hte country;

(b) whether the production of Paraffin Wax coated and TD loaded poster papers has radically suffered during month of September, 1994 if so, the reasons therefor;

(c) whether it is a fact that non-availability of the wrapping paper required for bakery industry has suffered production, resulting in acute shortage of bread, butter etc. in major cities; and

(d) what action Government have taken to prevent the recurrence of such incidents?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) There are around 380 units manufacturing paper and paperboard in the country including units engaged in the manufacture of Paraffin Wax and TD Loaded Poster Paper.

(b) No, Sir.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Letters of Intent issued to investors

1437. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of Letters of Intent issued to both Indian and foreign investors during the last three years and till date and the total amount involved both in Rupee and in foreign exchange;

(b) the percentage of investment which is the estimated to have been